

एसआई द्वारा राखीगढ़ी में उत्खनन

प्रलिस के लयः

भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण, सधु घाटी सभ्यता ।

मेन्स के लयः

राखीगढ़ी, हड़प्पा सभ्यता की प्रमुख खोज ।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में [भारतीय पुरातत्त्व सर्वेक्षण \(ASI\)](#) द्वारा हड़प्पा सभ्यता के राखीगढ़ी स्थल की खुदाई में कुछ घरों, गलियों और जल निकासी व्यवस्था की संरचना का पता चला है ।

- ASI की खुदाई में तांबे और सोने के आभूषण, टेराकोटा के खिलौनों के अलावा हजारों मट्टी के बर्तन और मुहरें भी मिली हैं ।
- इस उत्खनन का उद्देश्य राखीगढ़ी के संरचनात्मक अवशेषों का पता लगाना और उन्हें **भविष्य के लिये संरक्षित कर राखीगढ़ी के पुरातात्विक स्थल को पर्यटकों के लिये सुलभ बनाना** है ।
- इसके अलावा उत्खनन में मिले दो मानव कंकालों के डीएनए नमूने एकत्र कर उन्हें वैज्ञानिक जाँच के लिये भेजा गया है, इन डीएनए नमूनों की जाँच रिपोर्ट के आधार पर हजारों साल पहले राखीगढ़ी क्षेत्र में रहने वाले लोगों की वंश परंपरा और भोजन की आदतों के बारे में पता लगाया जा सकता है ।

राखीगढ़ी:

- **राखीगढ़ी भारतीय उपमहाद्वीप का सबसे बड़ा हड़प्पा स्थल है ।**
 - भारतीय उपमहाद्वीप में सधु घाटी सभ्यता (हड़प्पा सभ्यता) के अन्य बड़े स्थल **पाकस्तान में हड़प्पा, मोहनजोदड़ो और गनवेरीवाल** तथा **भारत में धोलावीरा (गुजरात)** हैं ।
- राखीगढ़ी में इस सभ्यता की शुरुआत का पता लगाने और **6000 ईसा पूर्व (पूर्व-हड़प्पा चरण)** से **2500 ईसा पूर्व** तक इसके क्रमिक विकास का अध्ययन करने के लिये खुदाई की जा रही है ।
 - इस स्थल का उत्खनन कार्य ASI के अमरेंद्र नाथ के नेतृत्व में किया गया ।
- राखीगढ़ी वर्ष **2020 में बजट भाषण के दौरान केंद्रीय वित्त मंत्री द्वारा घोषित पाँच प्रतियोगिता स्थलों** में से एक है ।
 - ऐसे अन्य स्थल उत्तर प्रदेश में हस्तनापुर, असम में शविसागर, गुजरात में धोलावीरा और तमिलनाडु में आदचिनल्लूर हैं ।

साइट के प्रमुख नषिकर्षः

- **बस्तियाँ:**
 - पुरातात्विक उत्खनन से पता चलता है कि परिपक्व हड़प्पा चरण का प्रतिनिधित्व योजनाबद्ध नगर प्रणाली द्वारा किया गया था जिसमें मट्टी-ईंट के साथ-साथ पकी हुई ईंट के घरों में उचित जल निकासी की व्यवस्था थी ।
- **मुहरें और मृदभांड:**
 - एक बेलनाकार मुहर, जिसके एक ओर पाँच हड़प्पा वर्ण आकृतियाँ तथा दूसरी ओर घड़ियाल का चित्र बना हुआ है, इस स्थल से की गई एक महत्वपूर्ण खोज है ।
 - सरिमिक उद्योग का प्रतिनिधित्व लाल बर्तनों द्वारा किया जाता था, जिसमें साधारण तश्तरियाँ, फूलदान, छदिरति जार शामिल थे ।
- **अनुष्ठान और दाहसंस्कार:**
 - पुरातात्विक उत्खनन में मट्टी के फर्श पर मट्टी-ईंट तथा त्रिकोणीय एवं गोलाकार अग्नि-वेदियों के साथ पशु बलि हेतु खोदे हुए गड्ढों के भी साक्ष्य प्राप्त हुए हैं जो हड़प्पावासियों की अनुष्ठान प्रणाली को दर्शाता है ।
 - उत्खनन से कुछ समाधियाँ भी प्राप्त हुई हैं, जो नश्वरुति रूप से परवर्ती चरण शायद मध्ययुगीन काल से संबंधित हैं ।
 - उत्खनन में दो मादा कंकाल मिले जिन्हें मट्टी के बर्तनों और जैस्पर, सुलेमानी मोतियों तथा खोल की चूड़ियों जैसे आभूषणों के साथ दफनाया

गया था।

■ अन्य पुरातात्विक अवशेष :

- ब्लेड, टेराकोटा और खोल की चूड़ियाँ, अर्द्ध-कीमती पत्थरों के मनके, तांबे की वस्तुएँ, जानवरों की मूर्तियाँ, खलौना गाड़ी का फ्रेम और टेराकोटा का पहिया, खुदा हुआ स्टीटाइट सील तथा सीलिंग।

■ DNA नमूनों का अध्ययन:

- हरियाणा स्थिति हड़प्पा स्थल 'राखीगढ़ी' के कबरस्तान की खुदाई से निकले कंकाल के DNA (DeoxyriboNucleic Acid) पर किये गए अध्ययन में यह पाया गया कि **सधु घाटी सभ्यता के लोगों की एक स्वतंत्र वंशावली** है।
- इस अध्ययन ने हड़प्पावासियों की वंशावली के स्टेपी क्षेत्र के पशुपालकों या प्राचीन ईरानी किसानों से संबंधित होने की पूर्व अवधारणा को अस्वीकार कर दिया है।

हड़प्पा सभ्यता:

- इसे **सधु घाटी सभ्यता** के नाम से भी जाना जाता है।
- यह सभ्यता लगभग **2500 ईस्वी पूर्व** दक्षिण एशिया के पश्चिमी भाग (समकालीन पकस्तान तथा पश्चिमी भारत) में विकसित हुई।
- सधु घाटी सभ्यता मिस्र, मेसोपोटामिया, भारत और चीन की **चार सबसे बड़ी प्राचीन नगरीय सभ्यताओं में से एक** थी।
- वर्ष 1920 में भारतीय पुरातत्व विभाग द्वारा किये गए सधु घाटी के उत्खनन से प्राप्त अवशेषों से हड़प्पा तथा मोहनजोदड़ों जैसे दो प्राचीन नगरों की खोज हुई।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न (PYQs):

प्रश्न: ऋग्वेदिक आर्यों और सधु घाटी के लोगों की संस्कृतिके बीच अंतर के संदर्भ में नमिनलखिति कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं? (2017)

1. ऋग्वेदिक आर्य युद्ध में हेलमेट और कोट का इस्तेमाल करते थे जबकि सधु घाटी सभ्यता के लोगों द्वारा इनके इस्तेमाल का कोई सबूत नहीं मिला है।
2. ऋग्वेदिक आर्य सोना, चाँदी और तांबा से परिचित थे, जबकि सधु घाटी के लोग केवल तांबा और लोहे से।
3. ऋग्वेदिक आर्यों ने घोड़े को पालतू बनाया था, जबकि सधु घाटी के लोगों द्वारा इस जानवर के उपयोग के बारे में कोई साक्ष्य प्राप्त नहीं होता है।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: C

प्रश्न: नमिनलखिति कथनों में से कौन सा/से सधु सभ्यता के लोगों की विशेषता/विशेषताएँ प्रदर्शित करता है/करते हैं? (2013)

1. उनके पास बड़े-बड़े महल और मंदिर थे।
2. वे पुरुष और स्त्री दोनों रूपों में देवताओं की पूजा करते थे।
3. उन्होंने युद्ध में घोड़ों द्वारा खींचे गए रथों को नयोजित किया।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिये:

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2
- (c) 1, 2 और 3
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं है

उत्तर: (b)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

